Amar Ujala 14-2-26

mycity

न्यूज कैप्सूल

एसडी में अर्थव्यवस्था की दिशा समझाई

चंडीगढ़। एसडी कॉलेज में शुक्रवार को करंट मैक्रोइकोनॉमिक डेवलपमेंट्स और मॉनेटरी पॉलिसी पर व्याख्यान आयोजित हुआ। आरबीआई के सलाहकार डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि वैश्विक मंदी के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत है। उन्होंने निजी खपत, सर्विस सेक्टर, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल प्रगति को इसकी वजह बताया। महंगाई और मौद्रिक नीति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। संवाद

वैश्विक सुस्ती के दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूतः डॉ. सुनील कुमार

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से शुक्रवार को करंट मैक्रोइकोनॉमिक डेवलपमेंट्स एंड मॉनेटरी पॉलिसी विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान को रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक पॉलिसी एंड रिसर्च के सलाहकार डॉ. सुनील कुमार ने संबोधित किया। उन्होंने वैश्विक आर्थिक रुझानों, देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति, महंगाई के बदलते स्वरूप और मौद्रिक नीति की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. कुमार ने वर्तमान मैक्रोइकोनॉमिक परिस्थितियों को सरल ढंग से समझाते हुए छात्रों को अर्थव्यवस्था की दिशा और नीति निर्माण के प्रभावों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। डॉ. कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुताबिक दुनिया की आर्थिक रफ्तार धीमी हो रही है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था अब भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि इसकी बड़ी वजह देश में मजबूत घरेलू मांग, खासकर लोगों का खर्च , और तेजी से बढ़ता सर्विस सेक्टर है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को आगे मजबूत बनाने में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, डिजिटल प्रगति और ग्रीन एनर्जी की बढ़ती क्षमता अहम भूमिका निभा रही है।

एसडी कॉलेज में आयोजित लेक्चर में छात्रों को समझाई गई भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से शुक्रवार को ह्यकरंट मैक्रोइकोनॉमिक डेवलपमेंट्स एंड मॉनिटरी पॉलिसीह्व विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक पॉलिसी एंड रिसर्च के सलाहकार डॉ. सुनील कुमार ने संबोधित किया। उन्होंने वैश्विक आर्थिक रुझानों, देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति, महंगाई के बदलते स्वरूप और मौद्रिक नीति की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. कुमार ने वर्तमान मैक्रोइकोनॉमिक परिस्थितियों को सरल ढंग से समझाते हुए छात्रों को अर्थव्यवस्था की दिशा और नीति निर्माण के प्रभावों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।डॉ. कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक दुनिया की आर्थिक रफ्तार धीमी हो रही है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था अब भी मजबूत बनी हुई है।उन्होंने बताया कि इसकी बड़ी वजह देश में मजबूत घरेलू मांग, खासकर लोगों का खर्च (प्राइवेट खपत), और तेजी से बढ़ता सर्विस सेक्टर है।उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को आगे मजबूत बनाने में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, डिजिटल प्रगति और ग्रीन एनर्जी की बढ़ती क्षमता अहम भूमिका निभा रही है। हाल के रुझानों पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि बीते महीनों में महंगाई कुल मिलाकर स्थिर बनी हुई है, जिस पर खाद्य कीमतों का खास असर रहा है, हालांकि जनवरी 2026 में हेडलाइन महंगाई में हल्की बढ़ोतरी देखी गई। उन्होंने कहा कि भारत की मौद्रिक नीति का मुख्य लक्ष्य लचीले महंगाई लक्ष्य ढांचे के तहत कीमतों को स्थिर रखना है, साथ ही आर्थिक विकास को भी समर्थन देना है। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा की देखरेख में और अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। आयोजन समिति में डॉ. रुचि शर्मा, डॉ. दीप्ति चावला, डॉ. अवुर्दा मेहता और डॉ. शिप्रा बंसल सहित अन्य फैकल्टी मेंबर्स और छात्र स्वयंसेवक शामिल रहे। लेक्चर में फैकल्टी मेंबर्स, पोस्टग्रेजुएट छात्र और रिसर्च स्कॉलर्स ने भाग लिया।कार्यक्रम का समापन एक रोचक संवाद सत्र के साथ हुआ। इस पूरे आयोजन ने प्रतिभागियों को मौजूदा मैक्रोइकोनॉमिक स्थिति और नीतिगत दिशा के बारे में उपयोगी जानकारी प्रदान की।

Dainik Jagran 14-2-26

भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा पर विशेष व्याख्यान

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ इक्नामिक्स के प्लानिंग फोरम द्वारा शुक्रवार को "करंट मैक्रोइकोनामिक डेवलपमेंट्स एंड मानेटरी पालिसी" विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के डिपार्टमेंट ऑफ इक्नामिक पालिसी एंड रिसर्च के सलाहकार डा. सुनील कुमार ने संबोधित किया। उन्होंने वैश्विक आर्थिक रुझानों, देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति, महंगाई के बदलते स्वरूप और मौद्रिक नीति की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।

डा. कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के अनुसार, वैश्विक आर्थिक रफ्तार धीमी हो रही है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था अब भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने इसके पीछे की प्रमुख वजहों में मजबूत घरेलू मांग, विशेषकर प्राइवेट खपत, और तेजी से बढ़ते सर्विस सेक्टर का उल्लेख किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, डिजिटल प्रगति और ग्रीन एनर्जी की बढ़ती क्षमता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महंगाई के हालिया रुझानों पर चर्चा करते हुए डा. कुमार ने बताया कि पिछले महीनों में महंगाई स्थिर रही है, हालांकि जनवरी 2026 में हेडलाइन महंगाई में हल्की बढ़ोतरी देखी गई। उन्होंने कहा कि भारत की मौद्रिक नीति का मुख्य लक्ष्य लचीले महंगाई लक्ष्य ढांचे के तहत कीमतों को स्थिर रखना और आर्थिक विकास को समर्थन देना है। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्रिंसिपल डा. अजय शर्मा की देखरेख में और अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। आयोजन समिति में डा. रुचि शर्मा, डा. दीप्ति चावला, डा. अर्वुदा मेहता और डा. शिप्रा बंसल शामिल रहे।

एसडी कालेज में आयोजित लेक्चर में भाग लेने वाले स्टूडेंट्स व विशेषज्ञ ● कालेज

वैश्विक सुस्ती के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती पर डा. सुनील कुमार ने रखे विचार

दैनिक सवेरा टाइम्स

चंडीगढ़

2 चंडीगढ़, शनिवार, 14 फरवरी 2026
www.dainiksaveratimes.com

चंडीगढ़ के गोस्वामी गणेश दत्त एसडी कॉलेज में देशव्यापी कॉलेज कैंपस टूर लेकर आई है क्राफ्टन इंडिया

सवेरा न्यूज/स.ह. चंडीगढ़, 13 फरवरी : क्राफ्टन इंडिया का देशव्यापी कॉलेज कैंपस टूर 14 और 15 फरवरी को चंडीगढ़ के गोस्वामी गणेश दत्त एसडी कॉलेज पहुंच रहा है। यह स्थानीय ई-स्पोर्ट्स कम्युनिटी के लिए महत्वपूर्ण क्षण होगा। जमीनी स्तर पर संचालित इस पहल के दूसरे संस्करण के तौर पर कैंपस एक्टिवेशन के दौरान प्रोफेशनल तरीके से तैयार टूर्नामेंट को सीधे वायवासिटी 2026 में इंटीग्रेट किया जाएगा। इससे छात्रों को एक संगठित प्रतिस्पर्धी माहौल में खेलने का मौका मिलेगा। गोस्वामी गणेश दत्त एसडी कॉलेज के छात्र स्टैंडर्ड फॉर्मेट, अनुभवी टूर्नामेंट ओवरसाइट और स्पष्ट एडवांसमेंट पाथवे के साथ बीजीएमआई और रियल क्रिकेट टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करेंगे। कैजुअल गेमिंग से इतर इसमें प्रतिभागियों को प्रोफेशनल ई-स्पोर्ट्स के स्ट्रक्चर और प्रतिस्पर्धी माहौल का अनुभव होगा। इसमें आधिकारिक नियम होंगे, लाइव कमेंटरी होगी और टॉप परफॉर्मर्स को सम्मानित किया जाएगा।

Daimik Savera Times 14-2-26

जीजीडीएसडी कॉलेज में आयोजित लैक्चर में छात्रों को समझाई भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा

अतिथि का वैलकम करते हुए प्रिंसिपल।

सवेरा न्यूज/नीना शर्मा चंडीगढ़ : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से शुक्रवार को करंट मैक्रोइकोनॉमिक डेवलपमेंट्स एंड मॉनेटरी पॉलिसी विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान को रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक पॉलिसी एंड रिसर्च के सलाहकार डॉ. सुनील कुमार ने संबोधित किया। उन्होंने वैश्विक आर्थिक रुझानों, देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति, महंगाई के बदलते स्वरूप और मौद्रिक नीति की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. कुमार ने वर्तमान मैक्रोइकोनॉमिक परिस्थितियों को सरल ढंग से समझाते हुए छात्रों को अर्थव्यवस्था की दिशा और नीति निर्माण के प्रभावों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। डॉ. कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष आईएमएफ के मुताबिक दुनिया की आर्थिक रफ्तार धीमी हो रही है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था अब भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत की मौद्रिक नीति का मुख्य लक्ष्य लचीले महंगाई लक्ष्य ढांचे के तहत कीमतों को स्थिर रखना है, साथ ही आर्थिक विकास को भी समर्थन देना है। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा की देखरेख में और अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। आयोजन समिति में डॉ. रुचि शर्मा, डॉ. दीप्ति चावला, डॉ. अर्वुदा मेहता और डॉ. शिप्रा बंसल सहित अन्य फैकल्टी मेंबर्स और छात्र स्वयंसेवक शामिल रहे। लैक्चर में फैकल्टी मेंबर्स, पोस्ट ग्रैजुएट छात्र और रिसर्च स्कॉलर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन एक रोचक संवाद सत्र के साथ हुआ।

एसडी कॉलेज में आयोजित लेक्चर में छात्रों को समझाई गई भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा

वैश्विक सुस्ती के दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत- डॉ. सुनील कुमार

डेमोक्रेटिक फ्रंट चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ इकनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से शुक्रवार को करंट मैक्रोइकोनॉमिक डेवलपमेंट्स एंड मॉनिटरी पॉलिसी विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान को रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के डिपार्टमेंट ऑफ इकनॉमिक पॉलिसी एंड रिसर्च के सलाहकार डॉ. सुनील कुमार ने संबोधित किया। उन्होंने वैश्विक आर्थिक रुझानों, देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति, महंगाई के बदलते स्वरूप और मौद्रिक नीति की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. कुमार ने वर्तमान मैक्रोइकोनॉमिक परिस्थितियों को सरल ढंग से समझाते हुए छात्रों को अर्थव्यवस्था की दिशा और नीति निर्माण के प्रभावों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। डॉ. कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक दुनिया की आर्थिक रफ्तार धीमी हो रही है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था अब भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि इसकी बड़ी वजह देश में मजबूत घरेलू मांग, खासकर लोगों का खर्च (प्राइवेट खपत), और तेजी से बढ़ता सर्विस सेक्टर है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को आगे मजबूत बनाने में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, डिजिटल प्रगति और ग्रीन एनर्जी की बढ़ती क्षमता अहम भूमिका निभा रही है। हाल के रुझानों पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि बीते महीनों में महंगाई कुल मिलाकर स्थिर बनी हुई है, जिस पर खाद्य कीमतों का खास असर रहा है, हालांकि जनवरी 2026 में हेडलाइन महंगाई में हल्की बढ़ोतरी देखी गई। उन्होंने कहा कि भारत की मौद्रिक नीति का मुख्य लक्ष्य लचीले महंगाई लक्ष्य ढांचे के तहत कीमतों को स्थिर रखना है, साथ ही आर्थिक विकास को भी समर्थन देना है। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा की देखरेख में और अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। आयोजन समिति में डॉ. रुचि शर्मा, डॉ. दीप्ति चावला, डॉ. अर्वुदा मेहता और डॉ. शिप्रा बंसल सहित अन्य फैकल्टी मेंबर्स और छात्र स्वयंसेवक शामिल रहे। लेक्चर में फैकल्टी मेंबर्स, पोस्टग्रेजुएट छात्र और रिसर्च स्कॉलर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन एक रोचक संवाद सत्र के साथ हुआ। इस पूरे आयोजन ने प्रतिभागियों को मौजूदा मैक्रोइकोनॉमिक स्थिति और नीतिगत दिशा के बारे में उपयोगी जानकारी प्रदान की।

एसडी कॉलेज में आयोजित लेक्चर में छात्रों को समझाई गई भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा

वैश्विक सुस्ती के दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत- डॉ. सुनील कुमार

देश प्यार चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से शुक्रवार को "करंट मैक्रोइकोनॉमिक डेवलपमेंट्स एंड मॉनेटरी पॉलिसी" विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान को रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक पॉलिसी एंड रिसर्च के सलाहकार डॉ. सुनील कुमार ने संबोधित किया। उन्होंने वैश्विक आर्थिक रुझानों, देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति, महंगाई के बदलते स्वरूप और मौद्रिक नीति की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. कुमार ने वर्तमान मैक्रोइकोनॉमिक परिस्थितियों को सरल ढंग से समझाते हुए छात्रों को अर्थव्यवस्था की दिशा और नीति निर्माण के प्रभावों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

डॉ. कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक दुनिया की आर्थिक रफ्तार धीमी हो रही है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था अब भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि इसकी बड़ी वजह देश में मजबूत घरेलू मांग, खासकर लोगों का खर्च (प्राइवेट खपत), और तेजी से बढ़ता सर्विस सेक्टर है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को आगे मजबूत बनाने में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, डिजिटल प्रगति और ग्रीन एनर्जी की बढ़ती क्षमता अहम भूमिका निभा रही है। हाल के रुझानों पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि बीते महीनों में महंगाई कुल मिलाकर स्थिर बनी हुई है, जिस पर खाद्य कीमतों का खास असर रहा है, हालांकि जनवरी 2026 में हेडलाइन महंगाई में हल्की बढ़ोतरी देखी गई।

उन्होंने कहा कि भारत की मौद्रिक नीति का मुख्य लक्ष्य लचीले महंगाई लक्ष्य ढांचे के तहत कीमतों को स्थिर रखना है, साथ ही आर्थिक विकास को भी समर्थन देना है। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा की देखरेख में और अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। आयोजन समिति में डॉ. रुचि शर्मा, डॉ. दीप्ति चावला, डॉ. अर्वुदा मेहता और डॉ. शिप्रा बंसल सहित अन्य फैकल्टी मेंबर्स और छात्र स्वयंसेवक शामिल रहे। लेक्चर में फैकल्टी मेंबर्स, पोस्टग्रेजुएट छात्र और रिसर्च स्कॉलर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन एक रोचक संवाद सत्र के साथ हुआ। इस पूरे आयोजन ने प्रतिभागियों को मौजूदा मैक्रोइकोनॉमिक स्थिति और नीतिगत दिशा के बारे में उपयोगी जानकारी प्रदान की।

Divya Himachal 14-2-26

छात्रों को समझाई भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा

गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में विशेषज्ञों ने दिया गेस्ट लेक्चर

दिव्य हिमाचल ब्यूरो – चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से शुक्रवार को करंट मैक्रोइकोनॉमिक डिवेलपमेंट्स एंड मॉनेटरी पॉलिसी विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक पॉलिसी एंड रिसर्च के सलाहकार डा. सुनील कुमार ने संबोधित किया। उन्होंने वैश्विक आर्थिक रुझानों, देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति, महंगाई के बदलते स्वरूप और मौद्रिक नीति की

चंडीगढ़। गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में मुख्यातिथि को सम्मानित करते हुए

भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डा. कुमार ने वर्तमान मैक्रोइकोनॉमिक परिस्थितियों को सरल ढंग से समझाते हुए छात्रों को अर्थव्यवस्था की दिशा और नीति निर्माण के प्रभावों पर महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। डा. कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुताबिक दुनिया की आर्थिक रफ्तार धीमी हो रही है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था अब भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि इसकी बड़ी वजह देश में मजबूत घरेलू मांग, खासकर लोगों का खर्च और तेजी से बढ़ता सर्विस सेक्टर है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को आगे मजबूत बनाने में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, डिजिटल प्रगति और ग्रीन एनर्जी की बढ़ती क्षमता अहम भूमिका निभा रही है। हाल के रुझानों पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि बीते महीनों में महंगाई कुल मिलाकर स्थिर बनी हुई हैए जिस पर खाद्य कीमतों का खास असर रहा है, हालांकि जनवरी 2026 में हेडलाइन महंगाई में हल्की बढ़ोतरी देखी गई।

वैश्विक सुस्ती के दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत: डॉ. सुनील कुमार

⇨ स्पेशल लेक्चर में छात्रों को समझाई गई भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से शुक्रवार को 'करंट मैक्रोइकोनॉमिक डेवलपमेंट्स एंड मॉनेटरी पॉलिसी' विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान को रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक पॉलिसी एंड रिसर्च के सलाहकार डॉ. सुनील कुमार ने संबोधित किया। उन्होंने वैश्विक आर्थिक रुझानों, देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति, महंगाई के बदलते स्वरूप और मौद्रिक नीति की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. कुमार ने वर्तमान मैक्रोइकोनॉमिक परिस्थितियों

को सरल ढंग से समझाते हुए छात्रों को अर्थव्यवस्था की दिशा और नीति निर्माण के प्रभावों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

डॉ. कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक दुनिया की आर्थिक रफ्तार धीमी हो रही है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था अब भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि इसकी बड़ी वजह देश में मजबूत घरेलू मांग, खासकर लोगों का खर्च (प्राइवेट खपत), और तेजी से बढ़ता सर्विस सेक्टर है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को आगे मजबूत बनाने में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, डिजिटल प्रगति और ग्रीन एनर्जी की बढ़ती क्षमता अहम भूमिका निभा रही है। हाल के रुझानों पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि बीते महीनों में महंगाई कुल मिलाकर स्थिर बनी हुई है, जिस पर खाद्य कीमतों का खास असर रहा है, हालांकि जनवरी 2026 में हेडलाइन महंगाई में हल्की बढ़ोतरी देखी गई।

उन्होंने कहा कि भारत की मौद्रिक नीति का मुख्य लक्ष्य लचीले महंगाई लक्ष्य ढांचे के तहत कीमतों को स्थिर रखना है, साथ ही आर्थिक विकास को भी समर्थन देना है। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा की देखरेख में और अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

एसडी कॉलेज में आयोजित लेक्चर में छात्रों को समझाई गई भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से 'करंट मैक्रोइकोनॉमिक डेवलपमेंट्स एंड मॉनेटरी पॉलिसी' विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान को रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक पॉलिसी एंड रिसर्च के सलाहकार डॉ. सुनील कुमार ने संबोधित किया। उन्होंने वैश्विक आर्थिक रुझानों, देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति, महंगाई के बदलते स्वरूप और मौद्रिक नीति की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. कुमार ने वर्तमान मैक्रोइकोनॉमिक परिस्थितियों को सरल ढंग से समझाते हुए छात्रों को अर्थव्यवस्था की दिशा और नीति निर्माण के प्रभावों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

डॉ. कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक दुनिया की आर्थिक रफ्तार धीमी हो रही है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था अब भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि इसकी बड़ी वजह देश में मजबूत घरेलू मांग, खासकर लोगों का खर्च (प्राइवेट खपत), और तेजी से बढ़ता सर्विस सेक्टर है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को आगे मजबूत बनाने में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, डिजिटल प्रगति और ग्रीन एनर्जी की बढ़ती क्षमता अहम भूमिका निभा रही है। हाल उन्होंने कहा कि भारत की मौद्रिक नीति का मुख्य लक्ष्य लचीले महंगाई लक्ष्य ढांचे के तहत कीमतों को स्थिर रखना है, साथ ही आर्थिक विकास को भी समर्थन देना है। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा की देखरेख में और अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।